रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

001

201 (HWA)

2017

हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** तथा **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×5 = 10

ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दा भी होती है। लेकिन इसमें वह मजा नहीं जो मिशनरी भाव से निन्दा करने में आता है। इस प्रकार का निन्दक बड़ा दुःखी होता है। ईर्ष्या–द्वेष से चौबीसों घंटे जलता है और निन्दा का जल छिड़ककर कुछ शांति अनुभव करता है। ऐसा निन्दक बड़ा दयनीय होता है। अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान जैसा भौंकता है। ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दा करने वाले को कोई दण्ड देने की जरूरत नहीं है। वह निन्दक बेचारा स्वयं दण्डित होता है। आप चैन से सोइए और वह जलन के कारण सो नहीं पाता। उसे और क्या दण्ड चाहिए ? अच्छे काम करते जाने से उसका दण्ड भी सख्त होता जाता है। जैसे एक कवि ने अच्छी कविता लिखी, ईर्ष्याग्रस्त निन्दक को कष्ट होगा। अब अगर एक और अच्छी लिख दी, तो उसका कष्ट दुगुना हो जायेगा।

निन्दा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है। मनुष्य अपनी हीनता से दबता है। वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है। उसके अहं की इससे तुष्टि होती है। बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बनती है। ज्यों–ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों–त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है। कठिन कर्म ही ईर्ष्या–द्वेष और इनसे उत्पन्न निन्दा को मारता है। इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है। क्योंकि वह निठल्ला है। स्वर्ग में देवताओं को बिना उगाया अन्न, बे बनाया महल और बिन बोये फल मिलते हैं। अकर्मण्यता में उन्हें अप्रतिष्ठित होने का भय बना रहता है, इसलिए कर्मी मनुष्यों से उन्हें ईर्ष्या होती हैं।

(क) ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दक को दंड देने की जरूरत क्यों नहीं है ?

(ख) निन्दा का उद्‌गम कैसे होता है ?

(ग) निन्दा की प्रवृत्ति कब बढ़ती है ?

(घ) निन्दा को कौन मारता है ?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) प्रदूषण की समस्या :

(i) प्रस्तावना (ii) प्रदूषण के प्रकार

(iii) प्रदूषण के कारण (iv) प्रदूषण रोकने के उपाय

(ख) देवभूमि उत्तराखण्ड :

(i) प्रस्तावना (ii) उत्तराखण्ड की भौगोलिक स्थिति

(iii) उत्तराखण्ड के चार धाम (iv) उत्तराखण्ड की भाषा

3. अपने मित्र के पिताजी के आकस्मिक निधन पर उन्हें शोक–संवेदना पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है) 5

अथवा

अपने क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति की समस्या पर प्रकाश डालते हुए किसी दैनिक समाचार–पत्र के सम्पादक के नाम पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है)

Downloaded from cclchapter.com

4. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँटकर उसका भेद लिखिए – 1×2

(क) अनुराधा आम खाती है।

(ख) रचना रो रही है।

यथा निर्देश उत्तर लिखिए – 1×2

(ग) वह धीरे–धीरे पढ़ रहा है। (क्रिया विशेषण छाँटकर लिखिए)

(घ) पढ़ाई करो अन्यथा फेल हो जाओगे। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

5. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए – 1×2

(क) मैंने उसे पढ़ाकर नौकरी दिलवाई। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) कल नैनीताल में मेला है और हम वहाँ जायेंगे। (सरल वाक्य में बदलिए)

वाच्य परिवर्तन कीजिए – 1×2

(ग) मोहन शतरंज खेलता है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(घ) मुझसे अखबार नहीं पढ़ा जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में से कौन 'सूर्य' शब्द का अर्थ नहीं है –

(i) दिनकर (ii) दिवाकर (iii) प्रभाकर (iv) भारती

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से 'अंधकार' शब्द का प्रयोग किसके लिए होता है –

(i) वारिद (ii) अम्बर (iii) तमस (iv) चपला

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी <u>एक</u> काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2

(i) हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग–सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए ।।

(क) गोपियों ने यह क्यों कहा कि हरि अब राजनीति पढ़ आए हैं ?

(ख) गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए ?

(ग) गोपियों ने अपने वाक्चातुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्धव को परास्त कर दिया, उनके वाक्चातुर्य विशेषताएँ लिखिए।

(ii) माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

(क) वस्त्र और आभूषण नारी–जीवन में क्या हैं ?

(ख) 'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है, जलने के लिए नहीं' – ऐसा कवि ने क्यों कहा है ?

(ग) इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिया है ?

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2

(क) संगतकार किन–किन रूपों में मुख्य गायक–गायिकाओं की मदद करते हैं ?

(ख) बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(ग) फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है ?

Downloaded from cclchapter.com

9. (क) 'छाया मत छूना' कविता में निहित जीवन–मूल्यों पर प्रकाश डालिए। 2

(ख) कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है ? 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी <u>एक</u> गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×2 = 4

(i) बड़े शोक की बात है, आजकल भी ऐसे लोग विद्यमान हैं जो स्त्रियों का पढ़ाना उनके और गृह–सुख के नाश का कारण समझते हैं। और, लोग भी ऐसे–वैसे नहीं, सुशिक्षित लोग–ऐसे लोग जिन्होंने बड़े–बड़े स्कूलों और शायद कॉलिजों में भी शिक्षा पाई है, जो धर्म–शास्त्र और संस्कृत के ग्रंथ साहित्य से परिचय रखते हैं, और जिनका पेशा कुशिक्षितों को सुशिक्षित करना, कुमार्गगामियों को सुमार्गगामी बनाना और अधार्मिकों को धर्म तत्व समझाना है।

(क) लेखक के अनुसार शोक की बात क्या है ?

(ख) 'गृह–सुख के नाश' से लेखक का क्या तात्पर्य है ?

(ii) और सभ्यता ? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने–पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने पहनने के तरीके, हमारे गमना–गमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता हैं। मानव की जो योग्यता उससे आत्म–विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन–रात आत्म–विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जायेगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा ?

(क) सभ्यता क्या है ?

(ख) संस्कृति में कौन–सी भावना की प्रधानता होती है ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×2 = 4

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?

(ख) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी ?

(ग) 'फादर बुल्के भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग हैं', किस आधार पर ऐसा कहा गया है ?

12. (क) लेखिका मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व पर किन–किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा ? 2

(ख) परम्परा के उन्हीं पक्षों को स्वीकार किया जाना चाहिए, जो स्त्री–पुरुष समानता को बढ़ाते हों – तर्क सहित समझाइए। 3

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×3 = 6

(क) भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है ?

(ख) अखबारों ने जिंदा नाक लगाने की खबर को किस तरह से प्रस्तुत किया ?

(ग) देश की सीमा पर बैठे फौजी किस तरह की कठिनाइयों से जूझते हैं ? उनके प्रति हमारा क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए ?

(घ) लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

खण्ड – 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा <u>त्रीन्</u> प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3 = 6

(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

हरिद्वारम् उच्चशिक्षायाः, संस्कृतशिक्षायाः, योगशिक्षायाः आयुर्वेदशिक्षायाः, प्रौद्योगिकीशिक्षायाः चापि केन्द्रम् अस्ति। अत्र गुरुकुल–कांगडी–विश्वविद्यालयः देवसंस्कृति–विश्वविद्यालयः उत्तराखण्ड–संस्कृत–विश्वविद्यालयः पतञ्जलि–योगपीठं च प्रमुखानि शिक्षणकेन्द्राणि सन्ति। अत्र भारत–हैवी–इलैक्ट्रिकल–लिमिटेड (BHEL), रुड़की नगरे स्थितं भारतीय–प्रौद्योगिकी–संस्थानम् (IIT), अनेके नवनिर्मिताः अनेके नूतनाः उद्योगयन्त्रागाराः च देशस्य प्रगतौ महत्वपूर्णं योगदानं ददति। एवं प्रकारेण पौराणिक्या संस्कृत्या सह आधुनिकभारतीयविकासस्य प्रौद्योगिक्याः च अत्र दर्शनं कर्तुं शक्यते।

(क) हरिद्वारे कानि–कानि शिक्षाकेन्द्राणि सन्ति ?

(ख) भारतीय–प्रौद्योगिकी–संस्थानम् कुत्र स्थितम् अस्ति ?

Downloaded from cclchapter.com

(ग) आयुर्वेद शिक्षायाः केन्द्रम् कः अस्ति ?

(घ) हरिद्वारे कस्य दर्शनं कर्तुं शक्यते ?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2=4

(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

नीरक्षीरविवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः ।।

(क) नीरक्षीरविवेकी कः भवतिः ? (ख) हंस कस्मिन् आलस्यं तनुषे ?

(ग) यदि हंसः नीरक्षीरविवेके आलस्यं तनुषे तर्हि किं भविष्यति ?

16. पठित पाठाधारितान् त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3=6

(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

(क) कस्य सङ्गतिं त्यक्त्वा सर्वदा कस्य सङ्गति कुर्यात् ?

(ख) कः नगाधिराजः ?

(ग) कुम्भस्नानपर्व कुत्र भवति ?

(घ) सुदक्षिणा कस्य माता अस्ति ?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थानानि पूरयत – 1×4=4

(निम्नलिखित दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

शब्द सूची– ददाति, पुस्तकं, सर्वं, सुखस्य, हरिद्वारं, संन्यासी

(क) दुःखं विना नैव .... बोधः।

(ख) सत्ये .... प्रतिष्ठितम्।

(ग) विद्या विनयं .... ।

(घ) अहं .... पठामि।

(ङ) तत्र एकः .... स्थितवान् आसीत।

(च) .... भारतीयानां प्रमुखं तीर्थस्थलम् अस्ति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं त्रीन प्रश्नान् उत्तरत – 2×3=6

(निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – पो + अनः , प्रति + एक

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – स्वागतम् , गायकः

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए) – लम्बोदरः , नीलकमलम्

(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत (निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए) – अपयशः , उपस्थितः

(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत –

(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(i) सः .... अन्नं ददाति। (भिक्षुके / भिक्षुकाय)

(ii) रामः .... रावणं हतवान्। (बाणेन / बाणः)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण चतुर्णाम् वाक्यानां निर्माणं कुरुत – 1×4=4

(निम्न शब्दों में से किन्हीं चार का वाक्यों में प्रयोग कीजिए)

(क) पुस्तकम् (ख) तस्य (ग) उटजे (घ) श्रोतुम् (ङ) प्रवहन्ति (च) भारतीयानां

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरुत – 2×2=4

(निम्न वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए)

(क) शिव को नमस्कार है।

(ख) चन्द्रगुप्त मगध प्रदेश का राजा था।

(ग) तुम पढ़ते हो।

****

Downloaded from cclchapter.com